AHO – 1375 C.V.-19
B.A. (Part-I Old) Ex./Supply Last Chance
Term End Examination, 2019-20
Hindi Literature (Paper-II)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 30

(क) मेरे लिए सब भूमि मिट्टी है, सब जल तरल, सब पवन शीतल है। कोई विशेष आकांक्षा हृदय में अग्नि के समान प्रज्ज्वलित नहीं। सब मिला कर मेरे लिए एक शून्य है। प्रिय नाविक तुम स्वदेश लौट जाओ, वैभवों का सुख भोगने के लिए, और मुझे छोड़ दो इन निरीह भोले–भाले प्राणियों के दुःखों में सहानुभूति और सेवा के लिए।

(ख) मुझे इस बंदी गृह से मुक्त करो। अब तो बाली, जावा और सुमात्रा का वाणिज्य केवल तुम्हारे ही अधिकार में है। महानाविक ! परन्तु मुझे उन दिनों की स्मृति सुहावनी लगती है, जब तुम्हारे पास एक ही नाव थी और चंपा के उपकूल में पुष्प लादकर हम लोग सुखी जीवन बिताते थे। इस जल में अगणित बार हम लोगों की तरी आलोकमय प्रभात में, तरिकाओं की मधुर ज्योति में थिरकती थी।

(ग) एक कामयाब पार्टी वह है, जिसमें ड्रिंक कामयाबी से चल जाए। शामनाथ की पार्टी सफलता के शिखर चूमने लगी। वार्तालाप उसी रौ में बह रहा था जिस रौ में गिलास भरे जा रहे थे। कहीं कोई रुकावट न थी। कोई अड़चन न थी। साहब को व्हिस्की पसंद आयी थी। मेम साहब को पर्दे पसंद आये थे, सोफा कवर का डिजाइन पसंद आया था। कमरे की सजावट पसंद आयी थी। उससे बढ़कर क्या चाहिये। साहब तो ड्रिंक के दूसरे दौर में ही चुटकले और कहानियॉ करने लगे थे।

(घ) भय से चीखकर ओट में हो जाने के लिए भागती हुई औरतों पर दया कर भीड़ छॅट गई। चौधरी बेसुध पड़े थे। जब उन्हें होश आया, ड्योढ़ी का पर्दा आंगन में सामने पड़ा था, परंतु उसे उठाकर फिर से लटका देने की सामर्थ्य इनमें शेष न थी। शायद अब इसकी आवश्यकता न थी।

(ड.) दूसरे दिन चिक की पहली पॉति में सात तारे जगमगा उठे, सात रंग के। सत भैया तारा। सिरचन जब काम में मगन रहता है तो उसकी जीभ जरा बाहर निकल आती है, होठ पर। अपने काम में मगन सिरचन को खान–पीने की सुध नहीं रहती। चिक में सुतली के फंदे डालकर उसने पास पड़े सूप पर निगाह डाली–चिउरा और गुड़ का एक सूखा ढेला। मैने लक्ष्य किया, सिरचन की नाक के पास दो रेखाएं उभर आयी। मैं दौड़कर मॉ के पास गया–मॉ सिर्फ चिउरा और गुड़?

(ड.) मैं ईश्वर को नहीं जानता, मैं पाप को नहीं जानता, मैं दया को नहीं समझ सकता, मैं उस व्यक्ति में विश्वास नहीं करता, पर मुझे अपने हृदय में एक दुर्बल अंश पर श्रद्धा हो चली है। तुम न जाने कैसे बहकी हुई तारिका के समान मेरे शून्य में उदित हो गई थी। आलोक की एक कोमल रेखा इस निबिड़ तम में मुस्कारने लगी। पशुबल और धन के उपासक के मन में किसी शांत और कांत कामना की हॅसी खिलखिलाने लगी, पर मैं न हॅस सका।

2. जालपा के चरित्र की विशेषतायें बताइए। 10

अथवा

'गबन' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

3. 'परदा' कहानी में उद्घाटित यथार्थ को केन्द्र में रखकर कहानी की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

"यशपाल द्वारा लिखित कहानी 'परदा' में वर्गचेतना का हृदयस्पर्शी चित्रण हुआ है।" इस कथन के औचित्य पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिपत टिप्पणियॉ लिखिए : 15

(क) कफन कहानी का सारांश

(ख) कहानी का विकास

(ग) फणीश्वरनाथ रेणु का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(घ) 'आकाशदीप' का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ड.) बालशौरी रेड्डी का कतित्व।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10

(क) प्रेमचंद का जन्म किस सन् हुआ?

(ख) बुधिया किसकी पत्नी है?

(ग) शीतलपाटी बनाने वाले कलाकार का नाम लिखिए।

(घ) उपेद्रनाथ अश्क की किसी एक कहानी संग्रह का नाम लिखिए।

(ड.) कफन कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

(च) जयशंकर प्रसाद के महाकाव्य का नाम लिखिए।

(छ) जालपा को किस वस्तु से प्रेम था?

(ज) हिन्दी के दो उपन्यासकारों के नाम लिखिए।

(झ) सिरचन किस कहानी का पात्र है?

(ञ) घीसू किस कहानी का पात्र है?

(ट) 'रानी केतकी' की कहानी किसने लिखी?

(ठ) चौधरी पीरबख्श किस कहानी के नायक है?

(ड) नाटक के प्रमुख तत्त्व क्या है?

(ढ) 'आकाशदीप' कहानी के नायक का क्या नाम है?

(ण) 'कफन' कहानी किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है?

(त) 'सरस्वती' पत्रिका का प्रकाशन किस सन् में प्रारम्भ हुआ?